राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1276

21 सितंबर, 2020 को उत्तर के लिए

सेल इकाइयों का विनिवेश

1276. श्री संभाजी छत्रपती:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को बोलियों को प्रस्तुत करने की आखिरी तिथि को तीन बार बढ़ाने के बावजूद पश्चिमी बंगाल, तमिलनाडु और कर्नाटक में भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) की इकाइयों के लिए अभी तक अच्छे खरीददार नहीं मिले हैं;

(ख) क्या सरकार ने इन इकाइयों, जो वर्तमान में घाटे में चल रही हैं, के काम-काज की गंभीरता से कोई समीक्षा की है;

(ग) ऐसी प्रमुख समस्याएं कौन-कौन सी हैं जो इन इकाइयों को पेश आ रही हैं; और

(घ) इन इकाइयों के स्तरोनयन में सेल की अरूचि होने के क्या कारण हैं?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): सरकार ने अलॉय स्टील प्लांट, दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल; सेलम स्टील प्लांट, सेलम, तमिलनाडु तथा विश्वेश्वरैय्या आयरन एंड स्टील प्लांट, भद्रावती, कर्नाटक; स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की यूनिटों का दो चरण की नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से अभिज्ञात रणनीतिक क्रेता हेतु रणनीतिक विनिवेश का निर्णय लिया है। सेलम स्टील प्लांट तथा विश्वेश्वरैय्या आयरन एंड स्टील प्लांट के संबंध में भावी हितबद्ध बोलीकर्ताओं (ईओआई) से अभिरूचि की अभिव्यक्ति प्राप्त हो गई है।

(ख): जी हाँ। इन यूनिटों सहित सेल के विभिन्न इस्पात संयंत्रों के उत्पादन तथा कार्य-निष्पादन की समय-समय पर समीक्षा की गई है।

(ग): सेल की यूनिटें, जिन्हें विनिवेश के लिए चिह्नित किया गया है, निम्नलिखित कारणों से निरंतर घाटे में चल रही हैं:-

- इनपुट कच्चे माल की उच्चतर लॉजिस्टिक लागत।
- बिजली/स्क्रैप/अलॉय तत्वों आदि जैसे इनपुटों की उच्चतर लागत/कीमतों में अस्थिरता।
- कीमतों के संबंध में तीव्र प्रतिस्पर्धा।
- उच्चतर ब्याज तथा मूल्यह्रास लागत।
- अधिक्षमता और सस्ता आयात।

(घ): सेल ने 180,000 टन प्रतिवर्ष (टीपीए) स्टेनलेस स्टील स्लैब का उत्पादन करने के लिए सेलम इस्पात संयंत्र की आधुनिकीकरण और विस्तारण योजना (एमईपी) को 2,371 करोड़ रुपये की लागत से पूरा किया है। सेल ने विश्वेश्वरैय्या आयरन एंड स्टील प्लांट और अलॉय स्टील प्लांट के समग्र विकास और लाभकारिता में भी समय-समय पर निवेश किया है।

****